>

Title: Need to release a stamp in honour of Veer Meghmaya, a great saint of Gujarat.

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी (अहमदाबाद पश्चिम): गुजरात में करीबन 800 साल पहले दलित संत वीर मेघमाया ने अपने प्राणों का बलिदान देकर भी पानी से प्यासी प्रजा को राहत दिलवायी थी। उन दिनों में गुजरात प्रदेश की राजधानी पाटन नगर थी। तब एक भीषण अकाल के कारण प्रजा पानी के लिए तरस रही थी। तब उस वक्त के प्रतापी राजा सिद्धराज जयसिंह सोलंकी ने एक हजार शिवलिंग से धीश सहस्त्रलिंग सरोवर का निर्माण किया था, मगर एक सती के श्राप से शापित होने के कारण सरोवर में पानी उपलब्ध नहीं होता था।

तब बतीस लक्षण वीर संत मेघमाया ने अपने प्राणों की आहूति देकर प्यासी प्रजा को पानी उपलब्ध करवाया था, और दलितों को अस्पृश्यता, अन्याय, अतिक्रमण से मुक्त करके सम्मान दिया था। ऐसी दलित संत वी मेघमाया की स्मृति में डाक विभाग द्वारा भव्य " डाक टिकट " प्रकाशित करने की मैं मांग करता हूँ।